मैथिली प्री पी–एच०डी० पाठ्यक्रम

पटना विश्वविद्यालय, पटना

उद्देश्य– प्री पी–एच०डी० पाठ्यक्रम का उद्देश्य शोध करने वाले छात्र–छात्राओं को शोध के विषयों की जानकारी उपलब्ध कराना है। हमलोग शोध कार्य से ही आनेवाली पीढ़ी, समाज, राज्य एवं राष्ट्र को एक नई संदेश एवं प्रगति के पथ पर ले जा सकते हैं। किसी भी राज्य एवं राष्ट्र के लिए भाषाओं की महत्ता स्वयं सिद्ध है। मैथिली भाषा बहुत ही समृद्ध है। स्कूल, कॉलेज एवं सभी प्रतियोगिताओं के परीक्षाओं में सम्मिलित है। मैथिली भाषा साहित्य में शोधकार्य का श्रीगणेश सर्वप्रथम आधुनिक युग के प्रवर्त्तक कवीश्वर चन्दा झा ने किया था। इन्हीं के समय से रचनाकारपरक, रचनापरक एवं प्राचीन पाण्डुलिपियों पर शोध कार्य प्रारम्भ हुआ। प्री पी–एच०डी० पाठ्यक्रम में मैथिली भाषा साहित्य के विभिन्न विधाओं में शोध के विषयों का पाठ्यक्रम इस प्रकार है–

(1) मैथिली साहित्य के आदिकाल में भाषा स्वरूप

(2) मैथिली साहित्य के मध्यकाल में विद्यापति एवं कीर्त्तनिया नाटक

(3) आधुनिक काल की विशेषताएँ एवं महत्व

(4) आधुनिक काल के पद्य साहित्य–

(क) कविता (ख) प्रबंधकाव्य (ग) महाकाव्य (घ) खण्डकाव्य (ड.) मुक्तक काव्य

(5) आधुनिक काल के गद्य साहित्य–

(क) निबंध (ख) कथा (ग) उपन्यास (घ) यात्रा साहित्य

(ड.) आत्मकथा (च) संस्मरण (घ) पत्र–पत्रिका

(6) अनुवाद साहित्य

(7) लोक साहित्य

(8) विभिन्न विधाओं की रचना एवं रचनाकारों का तुलनात्मक अध्ययन

(9) आधुनिक काल के नाटक एवं एकांकी

(10) मैथिली के समालोचना साहित्य

(11) मैथिली साहित्य के विभिन्न विधाओं में नारी विमर्श

(12) विभिन्न विधाओं में सम्भावित शोध का विषय हो सकता है। जैसे–

पर्यावरण, रोजगार उन्मुखी तथ्यों का अन्वेषण, मैथिली भाषा साहित्य का संरक्षण, प्रकृतिक सरंक्षण, गरीबी उन्मूलन, मैथिली के तिरहुता लिपि का विकास एवं संरक्षण, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, मैथिली साहित्य में राष्ट्रीयता की भावना आदि।

Head of the Department Maithili
Patna University, Patna-5